GSEB Std 9 Hindi Textbook Solutions Chapter 21 क्रान्तिकारी शेखर का बचपन

Std 9 GSEB Hindi Solutions क्रान्तिकारी शेखर का बचपन Textbook Questions and Answers

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

प्रश्न 1. शेखर ने बाहर घूमने-मिलने जाना क्यों छोड़ दिया?
उत्तर :
शेखर ने बाहर घूमने-मिलने जाना छोड़ दिया, क्योंकि : पहनने के लिए देशी कपड़े उसके पास पर्याप्त नहीं थे।

प्रश्न 2. शेखर के मस्तिष्क में कैसी पुकार पहुँचती थी?
उत्तर :
शेखर के मस्तिष्क में एक नाटक का लेखक होने की पुकार पहुंचती थी।

प्रश्न 3. शेखरने आग कैसे जलाई?
उत्तर :
शेखर ने घर के दीयों से मिट्टी का तेल लेकर उससे आग जलाई।

प्रश्न 4. शेखर गला खोलकर क्या गाने लगा?
उत्तर :
शेखर गला खोलकर गाने लगा, "गांधीजी का बोलबाला। दुश्मन का मुंह हो काला।"

प्रश्न 5. अंग्रेजी बालक ने जवाब में क्या कहा?
उत्तर :
अंग्रेजी बालक ने शेखर को चुप देखकर अपना नाम बताया और पूछा - क्या तुम स्कूल में पढ़ते हो?

2. दो-तीन वाक्य में उत्तर दीजिए :

प्रश्न 1. घर के सदस्य बाहर गए तब शेखर ने क्या किया?
उत्तर :

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

घर के सदस्य बाहर गए, तब शेखर ने घर के सभी कमरों में से विदेशी कपड़े लेकर नीचे एक खुली जगह में इकट्ठे किए। उनके ढेर पर मिट्टी का तेल डाला और आग लगा दी।

प्रश्न 2. शेखर के नाटक का विषय क्या था?

उत्तर :

शेखर के मन में एक स्वाधीन लोकतंत्र भारत की छबि बसी थी जिसके राष्ट्रपति महात्मा गांधी थे। उसमें कताई, बुनाई जैसी गांधीजी की प्रवृत्तियों और असहयोग आंदोलन का समावेश था। शेखर का यह स्वप्न हो उसके नाटक की हलचल में भी समाविष्ट था।

प्रश्न 3. अंग्रेजी बालक के प्रश्न का उत्तर शेखर ने क्यों नहीं दिया?

उत्तर :

अंग्रेजी बालक के स्वर में अहंकार था। वह अपने अंग्रेजीजान का परिचय देना चाहता था। शेखर को उसका प्रश्न बुरा और अपमानजनक भी लगा। इसलिए उसने अंग्रेजी बालक के प्रश्न का उत्तर नहीं दिया।

प्रश्न 4. पिता ने ऋद्ध स्वर में शेखर को क्या कहा?

उत्तर :

शेखर ने अंग्रेजी बालक के किसी भी प्रश्न का उत्तर नहीं र दिया। पिता नहीं चाहते थे कि वह बालक शेखर को अंग्रेजी से अनभिज्ञ १ समझे। इसलिए उन्होंने कुद्ध स्वर में शेखर से कहा, "उत्तर क्यों नहीं दिया? क्या तुम्हारा मुंह टूट गया है?"

प्रश्न 5. शेखर उत्तर न देने में कैसे बच गया?

उत्तर :

शेखर अंग्रेजी बालक के प्रश्नों के उत्तर में एकदम चुप रहा था। पिता इस बारे में शेखर से उसके चुप रहने का कारण जानना 8 चाहते थे। किंतु तभी ट्रेन आ गई और शेखर उत्तर देने से बच गया।

प्रश्न 6. घर आकर पिता ने माँ से क्या कहा? क्यों?

उत्तर :

बाँकीपुर स्टेशन पर शेखर ने बालक के अंग्रेजी प्रश्नों के उत्तर न देकर चुप्पी-सी साध ली थी। इससे पिता को क्रोध के साथ दुःख भी हुआ था। घर आकर उन्होंने शेखर की मां से कहा, हमारे - लड़के बुझू हैं। किसीके सामने उनका मुंह ही नहीं खुलता।

3. सविस्तार उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1. शेखर के मन में विदेशी मात्र के प्रति घृणा क्यों हो गई थी?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर :
महात्मा गांधी ने देश में असहयोग आंदोलन शुरू किया था। चारों तरफ स्वदेशी की हवा बहने लगी थी। शेखर के मन पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा था। वह गांधीजी के प्रति अपार श्रद्धा रखता था। गांधीजी स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग का आग्रह करते थे। विदेशी वस्तुएं देश की पराधीनता की प्रतीक बन गई थी। इसलिए शेखर के मन में भी विदेशी मात्र के प्रति घृणा हो गई थी।

प्रश्न 2. शेखर के घर में अंग्रेजी भाषा के प्रति गहरा प्रभाव था-ऐसा हम कैसे कह सकते हैं.?
उत्तर :
शेखर के पिता और भाई घर में अंग्रेजी में बात करते थे। पिता शेखर को भी भाइयों के साथ अंग्रेजी में बात करने के लिए प्रोत्साहित करते थे। शेखर भी शैशव से अंग्रेजी बोलता था। शेखर की पहली आया ईसाई थी और अंग्रेजी बोलती थी। उसका पहला गुरु भी एक अमरिकन मिशनरी था, जो दिनभर अंग्रेजी बोलता था। शेखर को ऐसा लगता था जैसे अंग्रेजी ही उसके परिवार की मातृभाषा हो। परिवार में अंग्रेजी का ऐसा चलन देखकर हम कह सकते हैं कि शेखर के घर में अंग्रेजी भाषा का गहरा प्रभाव था।

प्रश्न 3. शेखर का चरित्र-चित्रण कीजिए।
उत्तर :
शेखर एक कोमल मन का किशोर है। गांधीजी के असहयोग आंदोलन का उस पर गहरा प्रभाव पड़ा है। स्वदेशी की हवा से प्रेरित होकर उसे विदेशी मात्र से घृणा हो जाती है। वह अपने घर के विदेशी वस्त्रों को खुशी-खुशी जला देता है। वह अंग्रेजी माध्यम का विद्यार्थी है, पर अंग्रेजी को विदेशी भाषा मानकर उससे नफरत करता है और हिन्दी पढ़ने में रुचि लेता है। वह अंग्रेजी बालक के अंग्रेजी में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर नहीं देता। पिता द्वारा बुद्ध कहलाना स्वीकार करता है, पर अंग्रेजी बोलना उसे स्वीकार नहीं। इस प्रकार शेखर गांधी युग का एक प्रिय बाल पात्र है।

प्रश्न 4. शेखर ने नाटक लिखना कब आरंभ किया? क्यों?
उत्तर :
शेखर असहयोग और स्वदेशी आंदोलनों से अत्यंत प्रभावित था। उसे विदेशी मात्र से घृणा हो गई थी। अंग्रेजी भाषा से भी वह बेहद नफरत करने लगा था। परिवार के नियंत्रण के कारण वह सक्रिय रूप से किसी आंदोलन में भाग नहीं ले सकता था। ऐसी स्थिति में उसने नाटक लिखना आरंभ किया।

शेखर को गांधीजी के प्रति अपनी अपार श्रद्धा व्यक्त करनी थी। साथ ही उसे अपने हिन्दी-ज्ञान को भी प्रभावित करना था। इसलिए अपनी भावनाओं को प्रकट करने के लिए शेखर ने नाटक लिखना आरंभ किया।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. विलोम शब्द लिखिए :

प्रश्न 1.

1. **सहयोग**
2. **विदेशी**
3. **बाहर**
4. **दुश्मन**

5. **अंकुश**

उत्तर :

1. असहयोग
2. स्वदेशी
3. भीतर
4. दोस्त
5. निरंकुशता

5. समानार्थी शब्द लिखिए :

प्रश्न 1.

1. **अनुमति**
2. **कष्ट**
3. **निरंतर**
4. **आज़ाद**

उत्तर :

1. आज्ञा
2. तकलीफ
3. लगातार
4. स्वतंत्र

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

6. मुहावरे का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए:

प्रश्न 1. मुँह काला होना

उत्तर :

मुंह काला होना - बदनाम होना

वाक्य : बुरे कर्म करोगे तो मुंह काला होगा ही।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in